मध्य प्रदेश ने प्रोजेक्ट चीता पर RTI जानकारी देने से किया इनकार

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **मध्य प्रदेश वन विभाग** ने अफ्रीका से लाए गए **चीतों** और भारत में जन्मे उनके शावकों **के प्रबंधन** पर सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत जानकारी देने से इनकार कर दिया है।

- **मुख्य बिंदु**
  - विभाग ने वन्यजीव कार्यकर्त्ता के अनुरोध के जवाब में सूचना रोकने के लिये **सूचना का अधिकार (RTI) अधिनियम, 2005 की धारा 8(1)(a)** का हवाला दिया।
  - उन्होंने कहा कि प्रकटीकरण से **भारत की संप्रभुता**, अखंडता, सुरक्षा, रणनीतिक, वैज्ञानिक या आर्थिक हितों, किसी विदेशी राज्य के साथ संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है या अपराध को बढ़ावा मिल सकता है।
  - राज्य वन विभाग से "**कूनो और मंदसौर में चीता परियोजना** के प्रबंधन पत्राचार रिकॉर्ड" उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था।

चीता पुनर्वास परियोजना

- भारत में चीता पुनर्वास परियोजना (Cheetah Reintroduction Project) औपचारिक रूप से 17 सितंबर, 2022 को शुरू हुई, ताकि **चीतों की आबादी** को बहाल किया जा सके, जिन्हें **वर्ष 1952 में देश में विलुप्त** घोषित कर दिया गया था।
- इस परियोजना में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से चीतों को मध्य प्रदेश के **कूनो राष्ट्रीय उद्यान** में स्थानांतरित करना शामिल है।
- यह परियोजना राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) द्वारा **मध्य प्रदेश वन विभाग,** भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII) तथा नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका के चीता विशेषज्ञों के सहयोग से क्रियान्वित की जा रही है।

चीता (Cheetah)

सामान्य नाम: एशियाई चीता

वैज्ञानिक नाम: ***एसिनोनिक्स जुबेटस (Acinonyx jubatus)***

- *एसिनोनिक्स जुबेटस जुबेटस* (एशियाई चीता)
- *एसिनोनिक्स जुबेटस वेनाटिकस* (अफ्रीकी चीता)

विशेषताएँ:

- विश्व का सबसे तेज दौड़ने वाला स्तनधारी
- चीते अपनी क्षमता के बजाय गति के लिये जाने जाते हैं; जब ये अपने शिकार का पीछा करते हैं तो यह केवल **200-300** मीटर के लिये तथा **1** मिनट से कम अवधि का होता है।
- शेर, लकड़बग्घे और तेंदुए जैसे अन्य शक्तिशाली शिकारियों से प्रतिस्पर्द्धा से बचने के लिये चीते मुख्य रूप से दिन के दौरान शिकार करते हैं।

अफ्रीकी चीता बनाम एशियाई चीता:

- **अफ्रीकी:** हल्के भूरे और सुनहरे रंग की **त्वचा; एशियाई चीते से मोटी**
  - ***चेहरों पर धब्बों तथा रेखाओं की प्रधानता***
  - *पूरे अफ्रीका महाद्वीप में पाए जाते हैं*
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति: सुभेद्य (Vulnerable)***
- **एशियाई:** अफ्रीकी चीतों से थोड़े छोटे
  - ***हल्के पीले रंग की त्वचा: शरीर के नीचे विशेष रूप से पेट पर अधिक बाल***
  - ***केवल ईरान में पाए जाते हैं;*** *देश द्वारा यह दावा किया जाता है कि अब यहाँ केवल* ***12*** *चीते शेष हैं।*
- **वर्ष 1952:** एशियाई चीता को **आधिकारिक रूप से भारत से विलुप्त** घोषित किया गया
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति: घोर संकटग्रस्त (Critically Endangered)***

एशियाई चीता

भारत में चीतों का पुनर्वास:

- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की 19वीं बैठक में MoEF-CC** द्वारा **"भारत में चीता पुनर्वास के लिये कार्ययोजना"** जारी की गई थी। (जनवरी **2022**)
  - *इसी तरह की एक कार्ययोजना सर्वप्रथम वर्ष* ***2009*** *में प्रस्तावित की गई थी।*
- सितंबर **2022** में **नामीबिया से आठ चीतों को भारत में पुनर्वास हेतु लाया गया।**
  - *इन आठ चीतों को* ***मध्यप्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान*** *में स्थानांतरित किया जाएगा।*
- नामीबिया से भारत में चीतों का स्थानांतरण **विश्व भर में किसी बड़े मांसाहारी जानवर की पहली स्थानांतरण परियोजना है।**

अफ्रीकी चीता

DRISHTI IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/madhya-pradesh-refuses-rti-info-on-project-cheetah